

अब चौरीचौरा नाम से जाना जाएगा गोरखपुर का मुंडेरा बाज़ार नगर पंचायत

चर्चा में क्यों?

27 दिसंबर, 2022 को गोरखपुर के एसडीएम शविम सहि ने बताया कि गोरखपुर के मुंडेरा बाज़ार नगर पंचायत का नाम जल्द ही चौरीचौरा हो जाएगा। शासन के प्रस्ताव पर नरिणय लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नाम परिवर्तन को लेकर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी कर दिया है।

प्रमुख बदि

- एसडीएम शविम सहि ने बताया कि जिंग-ए-आजादी के इतिहास में चौरीचौरा का नाम अमटि है। अंगरेजी हुकूमत की ज्यादतियों के खिलाफ चौरीचौरा में हुए प्रतशिोध के शताब्दी वर्ष के दौरान ही इस ऐतिहासिकि स्थल से जुड़े तथ्यों को दुरुस्त करने का अभियान शुरू किया गया है।
- उन्होंने बताया कि तिहसील और थाने का नाम तो पहले से ही चौरीचौरा है। पहले विधानसभा क्षेत्र का नाम मुंडेरा बाजार था। वर्ष 2012 के चुनाव से पहले इस विधानसभा क्षेत्र का नाम भी चौरीचौरा कर दिया गया। मुख्य बाजार मुंडेरा बाजार होने के कारण नगर पंचायत का नाम अभी तक मुंडेरा बाजार ही रह गया।
- गौरतलब है कि तत्कालीन डीएम के. वजियेंद्र पांडयिन ने मुंडेरा बाजार नगर पंचायत का नाम बदलकर चौरीचौरा नगर पंचायत करने के लिये शासन को प्रस्ताव भेजा था। प्रशासन के प्रस्ताव पर शासन ने गृह मंत्रालय को एनओसी के लिये प्रस्ताव भेज दिया था।
- एसडीएम शविम सहि ने बताया कि मुंडेरा बाजार एक बाजार है जो चौरीचौरा में समाहित है। पहले सरिफ मुंडेरा बाजार के मतदाता थे और कुल 11 वार्ड थे। चुनाव से पूर्व वसितारति क्षेत्र में भोपा बाजार, राघोपुर, चौरा, भगवानपुर, बाल बुजुर्ग गाँव भी सम्मलिति होने से अब 16 वार्ड और कुल मतदाताओं की संख्या 26 हज़ार हो गई है।